राजनीतिक उथल-पुथल के संकेत, कुछ राशियों के लिए शुभ वर्ष, 2024 में पड़ेंगे दो सूर्य, दो चंद्रग्रहण

हरिभूमि, जबलपुर

ग्रह-नक्षत्रों का मनुष्य के जीवन में विशेष महत्व होता है। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार ग्रहों के स्थान में बदलाव व ग्रहणों के साथ ही इंसान के भाग्य में भी परिवर्तन होता है। साल 2024 में भी चार ग्रहण देखने को मिलेंगे। इनमें से दो सूर्य ग्रहण और दो चंद्र ग्रहण होंगे। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार नए वर्ष में वर्ष का पहला चंद्र ग्रहण होली के दिन ही लगने वाला है। 25 मार्च सोमवार के दिन यह चंद्रग्रहण पड़ेगा। अन्य तीन ग्रहण भारत में दिखाई नहीं देंगे, इसलिए इनका सूतक यहां नहीं लगेगा। मां चामुंडा दरबार पुजारी पंडित रामजीवन दुबे ने बताया कि इन ग्रहणों का मिलाजुला असर पड़ेगा। मकर, तुला व धनु राशि के लिए ये ग्रहण शुभ होंगे। वहीं मेष, कन्या, सिंह राशियों को विशेष सतर्क रहने की सलाह दी गई है। इन ग्रहणों के प्रभाव से राजनीतिक उथलपुथल भी होने के संकेत हैं।

शुभ, धार्मिक कार्य होते रहेंगे

पंडित शिवशंकर तिवारी ने बताया कि जहां-जहां पर चंद्र व सूर्य ग्रहण दिखता है, वहीं पर ही इसका असर माना जाता है। इसलिए सूतक को भी वहीं मान्य माना जाता है। बता दें कि वर्ष 2024 के दोनों चंद्र व सूर्य ग्रहण भारत में नहीं नजर आने वाले हैं। यही वजह है कि इन ग्रहणों के दौरान किसी भी प्रकार के शुभ या फिर धार्मिक कार्य करने में कोई मनाही नहीं रहेगी।

चारों के सूतक नहीं

पंडित शिवशंकर तिवारी के अनुसार साल 2024 में पहला ग्रहण 25 मार्च को लग रहा है। प्रथम चंद्र ग्रहण की कुल अवधि 04 घंटे 36 मिनट होगी। वहीं दूसरा चंद्र ग्रहण 18 सितंबर को लगेगा। द्वितीय चंद्र ग्रहण की कुल अवधि 04 घंटे 04 मिनट रहेगी। साल 2024 का प्रथम सूर्य ग्रहण आठ अप्रैल को पड़ेगा। इस सूर्य ग्रहण की कुल अवधि चार घंटे 39 मिनट होगी। दूसरा सूर्य ग्रहण दो अक्टूबर 2024 को लगेगा। द्वितीय सूर्य ग्रहण की कुल अवधि छह घंटे चार मिनट होगी। इनका असर भारत में देखने को नहीं मिलेगा। इसलिए इनका सूतक भी यहां मान्य नहीं होगा।

मुख्यमंत्री मोहन यादव का प्रथम नगर आगमन कल

संभागीय बैठक की कैबिनेट जैसी तैयारियां

जबलपुर। मुख्यमंत्री मोहन यादव कल जबलपुर आ रहे हैं। यहां वे शक्ति भवन में सुबह संभाग संभाग स्तरीय प्रशासनिक समीक्षा बैठक करेंगे। दिन में गैरीसन ग्राउंड में विशाल जनसभा को संबोधित करेंगे, वहीं शाम को ग्वारीघाट में महाआरती में शामिल होंगे। सीएम के प्रथम नगर आगमन को देखते हुये जिला प्रशासन का फर्श से अर्श तक अमला जुट गया है। वहीं दूसरी तरफ सीएम के प्रथम नगर आगमन को ऐतिहासिक बनाने के लिये भारतीय जनता पार्टी नगर एवं ग्रामीण जुट गई है। तैयारियों को सुनिश्चित करने सोमवार सुबह प्रभारी कलेक्टर और सीईओ जिला पंचायत जयति सिंह और अपर कलेक्टर मिशा सिंह भी शक्ति भवन में व्यवस्थाओं का निरीक्षण करने पहुंची।

गौरतलब है कि इसके पहले 29 दिसम्बर को जबलपुर कलेक्टर कार्यालय के सभागार में अपर मुख्य सचिव विनोद कुमार द्वारा संभाग स्तरीय समीक्षा की जा चुकी है। इसके चलते प्रशासनिक कामकाज के ढीले पेंच कसे जा रहे हैं। इसमें कानून और व्यवस्था से लेकर केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं तथा विकास सम्बधित परियोजनाओं पर फोकस बढ़ गया है।

तीन होटलें व रेस्ट हाउस बुक

वही दूसरी ओर जबलपुर में मोहन केबिनेट की पहली बैठक की खबर तेजी से चल रही है। जिला प्रशासन द्वारा केबिनेट के हिसाब से ही तैयारी की जा रही है। शहर के सर्पिट हाउस, के अलावा होटल विजन महल, नर्मदा जेक्शन, होटल कलचुरी सहित एमपीईबी रेस्ट हाउस, बरगी रेस्ट हाउस में कमरे आरक्षित करा दिए गए है। प्रोटोकॉल के हिसाब से मंत्रियों के लिए वाहन और सुरक्षा की व्यवस्था भी की जा रही है।

अलर्ट पर पुलिस प्रशासन

कल जबलपुर में जबलपुर में होने वाले हाई प्रोफाईल दौरे और कार्यक्रम को देखते हुये जिला प्रशासन आला अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों मंत्री तथा विधायकों के प्रोटोकॉल के मुताबिक उनके लिये व्यवस्थाएं करने में जुटा है। इसके चलते सर्पिट हाउस क्रमांक एक और दो सहित रेस्ट हाउस, एमपीईबी के रेस्ट हाउस आदि में कमरे बुक कर व्यवस्थाएं बनायी जा रही हैं। माना जा रहा है कि कल सीएम के साथ मंत्री, विधायक, आला अधिकारी भी जबलपुर आएंगे। जिले में पूरे दिन वीवीआईपी मूवमेंट रहेगा, जिसके चलते पुलिस प्रशासन भी हरकत में आ गया है।

गैरीसन में सभा, ग्वारीघाट में महाआरती

आधिकारिक जानकारी के मुताबिक मुख्यमंत्री बनने के बाद प्रथम नगर आगमन पर मुख्य मंत्री डॉ. मोहन यादव सदर स्थित गैरीसन ग्राउंड में एक सभा को भी संबोधित करेंगे। वहीं शाम को नर्मदा के ग्वारीघाट तट पर नर्मदा की महाआरती में शामिल होंगे। संभागीय बैठक के लिये शक्ति भवन का चयन किया गया है। लेकिन प्रशासन द्वारा यहां केबिनेट स्तर की बैठक की तैयारियां की जा रही हैं। लेकिन जिस तरह से रेस्ट हाउस, गेस्ट हाउस, होटलें बुकी गई हैं, उससे केबिनेट की बैठक को बल मिला रहा है। हालांकी इसकी आधिकारिक घोषणा नहीं है। भाजपा संगठन स्तर पर भी तैयारियां जारी है।

हाईकोर्ट ने एक अहम आदेश में कहा

सरकार के अधीन निगमों के स्थायी कर्मचारी भी उपचार की प्रतिपूर्ति पाने के अधिकारी

जबलपुर।

मध्यप्रदेश हाईकोर्ट ने एक अहम आदेश में कहा कि केवल राज्य सरकार के स्थायी कर्मचारी ही नहीं वरन सरकार के अधीन निगमों के स्थायी कर्मचारी भी उपचार की प्रतिपूर्ति पाने के अधिकारी हैं। जस्टिस विनय सराफ की एकलपीठ ने मप्र बीज एवं फॉर्म विकास निगम के एक कर्मचारी आनंद वारी की याचिका का निराकरण करते हुए उक्त व्यवस्था दी। दलील दी गई कि मप्र सिविल सर्विस (मेडिकल सेवा) नियम 1958 की कण्डिका 1 (2) में स्पष्ट प्रावधान है कि मप्र शासन के कर्मचारी चाहे सेवा में हो, प्रतिनियुक्ति पर हो, अवकाश पर हों या निलम्बित हो, उन्हें यह लाभ दिया जाना चाहिए। कोर्ट ने कहा कि यह भी कहा कि ठेके पर रखे गए कर्मचारी, होमगार्ड, कन्टिनजेंसी तथा वर्कचार्ज कर्मचारी भी इस लाभ के हकदार हैं। दरअसल, बीज एवं फार्म विकास निगम के

कर्मचारी आनंद वारी को कोरोना के दौरान अपना उपचार स्थानीय अस्पताल में करना पड़ा था जिसका लगभग 1 लाख रूपये के बिल की प्रतिपूर्ति से निगम द्वारा भुगतान करने से इनकार कर दिया गया था। कोर्ट ने मूल राशि के साथ 6 प्रतिश ब्याज देने का भी आदेश दिया गया है। याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता शाश्वत अवस्थी ने पैरवी की।

हाई कोर्ट ने मप्र ग्रामीण बैंक के अधिकारियों से मांगा जवाब

जबलपुर। हाई कोर्ट के न्यायमूर्ति विनय सराफ की एकलपीठ ने मध्य प्रदेश ग्रामीण बैंक के अध्यक्ष सहित अन्य को नोटिस जारी कर जवाब-तलब कर लिया है। इसके लिए एक सप्ताह का समय दिया गया है। मामला याचिकाकर्ता को बर्खास्त किए जाने के रवैये को चुनौती से संबंधित है। याचिकाकर्ता शिंचन कांति जाना की ओर से अधिवक्ता नर्मदा प्रसाद चौधरी व अमित चौधरी ने पक्ष रखा। उन्होंने दलील दी कि याचिकाकर्ता शाखा प्रबंधक के रूप में पदस्थ था। मामूली शिकायत के आधार पर अनुशासनात्मक अधिकारी से बर्खास्तगी जैसा कठोर निर्णय ले लिया। जबकि नियमानुसार बैंक का अध्यक्ष नियोक्ता होता है, अतः वहीं बर्खास्त कर सकता था। हाई कोर्ट ने प्रारंभिक सुनवाई के बाद जवाब-तलब कर लिया।

शिविरों में हजारों हितग्राही हुए लाभांवित

जबलपुर। विकसित भारत संकल्प यात्रा के अंतर्गत जो शिविर लगाए जा रहे हैं उनमें सभी हितग्राहियों को शासन की विभिन्न योजनाओं के तहत ढेरों लाभ मिल रहे, हमारी सरकार की यही मंशा है कि प्रत्येक हितग्राही को उसका लाभ समय पर मिले इसके लिए सरकार संकल्पित है। उक्त विचार रैंगवा मिडिल स्कूल में आयोजित शिविर में पनागर विधानसभा क्षेत्र के विधायक सुशील तिवारी इन्दू भैया ने व्यक्त किये। उन्होंने विकसित भारत संकल्प यात्रा के शिविर में हितग्राहियों को लाभ वितरण कर वार्डे में हरि झंडी दिखाकर रथ रवाना किया और हितग्राहियों को शपथ भी दिलाई।

गांधी भवन के सामने आयोजित विकसित भारत संकल्प यात्रा शिविर में पूर्व राज्यमंत्री शरद जैन ने कहा कि सरकार की योजनाओं में हितग्राहियों को लाभ ही लाभ है। उन्होंने आगे कहा कि हमारा प्रयास है कि हम सभी पात्र हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ दिलाए और भी आगे बढ़े। यहां पर आयोजित शिविर में हजारों की संख्या में हितग्राहियों ने शामिल होकर योजनाओं का लाभ लिया।

शिविर में मुख्य रूप से एम.आई.सी. सदस्य एवं पार्षद शगुफ्ता उस्मानी गुड्डू नवी, पार्षद विवेकराम सोनकर, अंजू अनीता जाट (गोलू), पार्षद अर्चना सिसौदिया, निगमायुक्त स्वप्निल वानखड़े, अपर आयुक्त मनोज श्रीवास्तव, अंजु सिंह ठाकुर, सहायक आयुक्त वेदप्रकाश, संभागीय अधिकारी राकेश तिवारी, कुलदीप तिवारी, अजय लवाना, उपयंत्री अशोक वासनिक, केदारनाथ मंडेले, धर्मेन्द्र राज, मुख्य स्वच्छता निरीक्षक रोहित गुप्ता, दीपक शर्मा, नोडल अधिकारी रश्मि साहू, योजना लिपिक अर्चना तिवारी, एवं वरिष्ठ नागरिकगणों में कुलदीप सिंह सिसौदिया, अरविंद तिवारी, कुणाल पटैल एवं अन्य कर्मचारी एवं स्वास्थ्य विभाग, उद्योग विभाग, महिला बाल विकास बैंकिग आदि विभाग के अधिकारी व कर्मचारी भी उपस्थित रहे।

पेट्रोल की आपूर्ति बनाये रखने एसडीएम एवं कार्यपालिक मजिस्ट्रेट तैनात

जबलपुर। जिला प्रशासन द्वारा ड्राईवरों की हडताल के मद्देनजर पेट्रोल, डीजल और एलपीजी की आपूर्ति सुनिश्चित करने तथा ऑयल और गैस डिपो एवं सडक मार्ग पर शांति, सुरक्षा व कानून व्यवस्था बनाये रखने की जिम्मेदारी जिले में पदस्थ सभी एसडीएम तथा कार्यपालिक मजिस्ट्रेटों को दी गई है। इस बारे में अपर जिला दण्डाधिकारी द्वारा आदेश जारी किया गया है। आदेश में कहा गया है कि सभी एसडीएम एवं कार्यपालिक मजिस्ट्रेट अपने-अपने प्रभार क्षेत्र में पुलिस अधिकारियों से समन्वय स्थापित कर कानून एवं शांति सुरक्षा व्यवस्था बनाये रखेंगे। एसडीएम एवं कार्यपालिक मजिस्ट्रेटों को अपने-अपने प्रभार क्षेत्र का पुलिस अधिकारियों के साथ नियमित भ्रमण करने के तथा कानून व्यवस्था के लिहाज से महत्वपूर्ण हर गतिविधि की सूचना तत्काल अपर जिला मजिस्ट्रेट शहर, रांझी एवं अपर जिला मजिस्ट्रेट ग्रामीण तथा पुलिस कन्ट्रोल रूम में देने के निर्देश भी अपर जिला दण्डाधिकारी द्वारा जारी आदेश में दिये गये हैं।

डीजल-पेट्रोल का वितरण तुरंत चालू करें : संभागायुक्त

जबलपुर। संभागायुक्त अभय वर्मा की अध्यक्षता में ड्राइवरों की हड़ताल से निर्मित परिस्थितियों के निराकरण के लिये संभागायुक्त कार्यालय में बैठक आयोजित की गई। बैठक में प्रभारी कलेक्टर तथा जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी जयति सिंह, फूड कंट्रोलर नदीमा शीरी के साथ जबलपुर पेट्रोल-डीजल एसोसिएशन, हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन, भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन व इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन के शीर्ष अधिकारियों सहित एचपीसी के डिपो मैनेजर, सेल्स ऑफिसर, जबलपुर मोटर ट्रांसपोर्ट, टेंकर व ड्राइवर एसोसिएशन के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

बैठक में ड्राइवरों की हड़ताल के कारण एवं उसके निदान पर चर्चा की गई। बैठक में स्पष्ट किया गया कि नवीनतम भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 106 (2) में यह प्रावधान किया गया है, कि उपेक्षापूर्ण कार्य द्वारा मृत्युकारित करने के पश्चात पुलिस अधिकारी या मजिस्ट्रेट को बिना सूचना दिये अभियुक्त निकल भागता है, तो वह 10 वर्ष की सजा तक का दण्ड का भागी होगा। उक्त प्रावधान में यह आवश्यक नहीं है कि एक्सीडेंट करने वाले वाहन का चालक घटना स्थल पर रुके। वह उक्त सूचना थोड़ी दूर जाकर भी पुलिस अधिकारी या मजिस्ट्रेट को फोन या अन्य माध्यम से दे सकता है। संभागायुक्त वर्मा ने कहा कि संविधान द्वारा हर एक व्यक्ति को जिंदगी व सुरक्षा का अधिकार दिया गया है। इसमें भ्रम की स्थिति नहीं होनी चाहिए। टेंकर मालिकों द्वारा ड्राइवरों को यह बात समझाई जाये। उन्होंने मौजूदा परिस्थितियों को देखते हुये डीजल-पेट्रोल प्रोवाईडरों से कहा कि डीजल-पेट्रोल का वितरण तुरंत चालू करें। डीजल पेट्रोल की आपूर्ति रात में भी करें और संभाग के सभी जिलों में समुचित रूप से डीजल-पेट्रोल की आपूर्ति हो। इसमें कहीं अवरोध न हो। यदि लोकहित के कार्य में कोई अवरोध पैदा करता है तो उसके विरूद्ध सख्त कार्यवाही की जायेगी। उन्होनें विशेष रूप से कहा कि डीजल-पेट्रोल सप्लाई शुरू करने के लिये ऑयल कम्पनी अपने ड्राइवर को समझायें और तुरंत ईंधन सप्लाई का कार्य शुरू कर दें।

संभागायुक्त वर्मा की समझाईश पर सभी एसोसिएशन के प्रतिनिधियों ने सहमति देकर लोकहित में ईंधन की सप्लाई तत्काल शुरू करने की प्रतिबद्धता जाहिर की। एडिशनल एसपी क्राईम समर वर्मा ने कहा कि जन हित के कार्य में यदि कोई ड्राइवरों को धमकाता है या उन्हें रोकता है तो संबंधित के विरूद्ध सख्त कार्यवाही की जायेगी। बैठक में सभी एसोसिएशन के प्रतिनिधियों ने तत्काल ही डीजल-पेट्रोल की आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिये अपने ड्राइवरों को समझाने की दिशा में काम करने को कहा।

फर्जी ऋण पुस्तिका से जमानत पर कारावास

जबलपुर। अदालत ने फर्जी ऋण पुस्तिका से जमानत के मामले में जमानतदार को दोषी पाया। इसी के साथ आरोपित जबलपुर निवासी मुस्की लाल रजक को सात वर्ष के कारावास की सजा सुना दी। साथ ही एक हजार रुपये जुर्माना भी लगाया। अभियोजन की ओर से दलील दी गई कि मारपीट के एक मामले में गिरफ्तार आजम हुसैन की जमानत के लिए आरोपित ने जमीन की ऋण पुस्तिका पेश की थी। संदेह होने पर न्यायालय ने उक्त ऋण-पुस्तिका की जांच के आदेश दिए थे। जांच दौरान पाया गया कि उक्त जमीन आरोपित मुस्की लाल रजक के नाम पर दर्ज है, लेकिन ऋण पुस्तिका फर्जी है। जिसमें तहसीलदार के हस्ताक्षर फर्जी बनाए गए हैं। सिविल लाइन पुलिस ने मामले में दोनों आरोपितों के विरुद्ध धोखाधड़ी व कूट रचित दस्तावेज तैयार करने के तहत प्रकरण दर्ज कर न्यायालय में चालान पेश किया था। प्रकरण की सुनवाई के दौरान न्यायालय ने आरोपित को धोखाधड़ी सहित अन्य धाराओं के तहत दोषी करार देते हुए सात साल के कारावास व एक हजार रुपये के जुर्माने की सजा से दंडित किया। जबकि अन्य आरोपित आजम हुसैन को साक्ष्यों के अभाव में दोषमुक्त करार दिया गया।

संदेह का लाभ देकर किया दोषमुक्त

जबलपुर। अपर सत्र न्यायाधीश अजय पेंदाम की अदालत ने हत्या के आरोपित जबलपुर निवासी अज्जू उर्फ अजय चौधरी को संदेह का लाभ देते हुए दोषमुक्त कर दिया। राज्य की ओर से अभियोजन अधिकारी लहर दीक्षित ने सजा दिए जाने पर बल दिया। जबकि बचाव पक्ष की ओर से वर्षा तिवारी दुबे, प्रभा विश्वकर्मा, संध्या चौधरी व अर्पित किरार ने झूठा फंसाने का आरोप लगाया। दलील दी गई कि दीनदयाल चौक पर बस में सवारी बैठाने को लेकर विवाद हो गया था। इस दौरान आरोपित ने रामलखन गुप्ता को चाकू मारकर घायल कर दिया था। इलाज के दौरान रामलखन की मृत्यु हो गई। अभियोजन की ओर से जोर देकर कहा गया कि आरोपित ने किसी का जीवन छीना है अतः उसे कठोर सजा दी जाए। जबकि बचाव पक्ष ने परिस्थिजन्य साक्ष्य की कड़ी टूटने सहित अन्य आधारों पर संदेह का लाभ देकर दोषमुक्त करने की मांग की।

शहीदों को दी श्रृध्दांजलि

ले.ज. पीएस शेखावत ने मध्य भारत एरिया का पदभार संभाला

जबलपुर।

लेफ्टिनेंट जनरल पी एस शेखावत ने लेफ्टिनेंट जनरल एम के दास से जनरल ऑफिसर कमांडिंग मध्य भारत एरिया , जबलपुर का पदभार संभाला। स्टेशन वार मेमोरियल में आयोजित समारोह में जीओएसी शेखावत ने पदभार ग्रहण करने के उपरांत शहीदों को श्रृध्दांजलि दी। मध्य भारत एरिया भारतीय सेना की रणनीतिक रूप से सबसे महत्वपूर्ण फोर्मेशन्स में से एक है। लेफ्टिनेंट जनरल पीएस शेखावत 19 दिसंबर 1987 को 16 मैकेनाइज्ड इन्फैंट्री में नियुक्त हुए । राष्ट्रीय रक्षा अकादमी और भारतीय सैन्य अकादमी के पूर्व छात्र, जनरल ऑफिसर ने रक्षा सेवा स्टाफ कोर्स, सीनियर कमांड कोर्स, हायर कमांड कोर्स और प्रतिष्ठित राष्ट्रीय रक्षा कॉलेज, ढ़ाका, बांग्लादेश से महत्वपूर्ण कोर्स किये । मध्य भारत एरिया के जनरल ऑफिसर कमांडिंग ने कमान संभालने पर आस्वस्त किया कि वे अधिकारियों, जूनियर कमीशन अधिकारियों, जवानों, भूतपूर्व सैनिकों और उनके परिवारों की अच्छी तरह से देखभाल की जाएगी और मानसिक स्वास्थ्य, शैक्षणिक , चिकित्सा व रसद आपूर्ति के लिए प्रतिबद्ध है और जवानो से सम्बंधित शिकायत निवारण के कार्य उनके मुख्य जिम्मेदारी के क्षेत्र होंगे।

जनरल ऑफिसर ने कहा कि मध्य भारत एरिया के अंतर्गत छह प्रमुख राज्य शामिल हैं, जिनमें मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश के बड़े हिस्से और ओडिशा, छत्तीसगढ़, झारखंड, बिहार के पूरे राज्य शामिल हैं, जो इसे भारतीय सेना के सबसे बड़े और सबसे महत्वपूर्ण फार्मेशन में से एक बनाते हैं। यह फार्मेशन भारतीय सेना की रणनीतिक और परिचालन तैयारियों में अत्यधिक महत्व रखता है। यह कई महत्वपूर्ण सैन्य और रणनीतिक प्रतिष्ठानों जैसे सेंट्रल ऑर्डिनेंस डिपो, विभिन्न ऑर्डिनेंस फैक्ट्रियों और आर्मी बेस वर्पशॉप का संचालन करता है। यह शांति के समय और युद्ध जैसी स्थितियों के दौरान भारतीय सेना की सामरिक और रणनीतिक आवश्यकताओं को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह भारतीय सेना के लिए हथियार, गोला-बारूद, युद्ध के दौरान जनशक्ति और नियमित रसद आपूर्ति करने वाले प्रमुख फार्मेशन में से एक है। इस फार्मेशन में कई प्रशिक्षण संस्थान हैं जो भारतीय सेना के अधिकारियों, जूनियर कमीशंड अधिकारियों और सैनिकों को उच्च स्तर का प्रशिक्षण प्रदान करते हैं। मध्य भारत एरिया के अंतर्गत कार्यरत विभिन्न प्रशिक्षण केंद्र भारतीय सेना के लिए सबसे बड़ी संख्या में अग्निवीरों को प्रशिक्षित करते हैं। इसके अलावा, मध्य भारत एरिया अपने जिम्मेदारी क्षेत्र में आंतरिक और भीतरी इलाकों की सुरक्षा प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह प्राकृतिक आपदाओं के दौरान नागरिक आबादी और प्रशासन अधिकारियों को सहायता प्रदान करता है और आपदा प्रबंधन कार्यों में भी सक्रिय रूप से संलग्न रहता है। मध्यभारत एरिया किसी भी प्राकृतिक आपदा के समय नागरिक प्रशासन और हमारे समाज की मदद के लिए सदैव प्रतिबद्ध है। जीओसी ने यह भी कहा कि मुख्यालय मध्य भारत एरिया और राज्य के नागरिक अधिकारियों के बीच समन्वय और सहयोग बहुत अच्छा है, I बेहतर कार्य कुशलता के लिए इसे परंपरा को आगे बढ़ाने के लिए भी तत्पर हैं।

शानदार करियर और अनुभव

जनरल ऑफिसर के पास विभिन्न हाई प्रोफाइल कमांड स्टॉफ और अनुदेशात्मक नियुक्तियों का व्यापक अनुभव है। अपने कार्यकाल के दौरान बटालियन, एक आर्मड ब्रिगेड, गलवान घाटी में भारत और चीन के बीच टकराव के दौरान उन्होंने पूर्वी लद्दाख में एक माउंटेन डिवीजन की कमान संभाली। वह राष्ट्रीय रक्षा अकादमी, खडकवासला में प्रशिक्षक के पद पर अपनी सेवाएं दे चुके हैं । उन्होंने यूएनआईएफआईएल लेबनान में संपर्क अधिकारी ,सेना मुख्यालय के सैन्य सचिव शाखा में सहायक सैन्य सचिव, इन्फैंट्री डिवीजन में कर्नल जनरल स्टाफ , मैकेनाइज्ड फोर्स के महानिदेशक, कर्नल जनरल स्टाफ (प्रशिक्षण) के रूप में भी काम किया है। दक्षिण पश्चिमी कमान में ब्रिगेडियर जनरल स्टॉफ (ऑपरेशंस) के रूप में भी कार्यरत रहे हैं । मेजर जनरल प्रशासन दक्षिणी कमान के प्रतिष्ठित पद पर रह चुके है और मैकेनाइज्ड इन्फैंट्री रेजिमेंट के कर्नल ऑफ दी रेजिमेंट है । उन्होंने सेना मुख्यालय में महानिदेशक, अनुशासन, समारोह और कल्याण के रूप में भी कार्य किया है।

हाऊसफुल रहे शहर के पिकनिक स्पॉट

नये साल की खुशियां मनाने पहुंचे लोग

जबलपुर। नये वर्ष की पूर्व संध्या पर जहां होटलों, क्लबों और कालोनियों में जश्न मनाया गया, वहीं मध्यम वर्गीय आम परिवार के लोगों ने नये वर्ष के पहले दिन 1 जनवरी को पिकनिक मनाकर नये साल की खुशियां मनाई। शहर के तमाम पिकनिक स्पॉट भेड़ाघाट, लम्हेटाघाट, बरगी बांध, टैम्भर फाल, भंवरताल उद्यान, शैलपर्ण उद्यान, देवताल, टैगोर उद्यान, ड्रीमलैण्ड फनपार्प में पिकनिक मनाने वालों की भीड़भाड़ रही। पिकनिक स्पॉटों पर होटलों मोल व रेस्टोरेंटों में भीड़ रही, वहीं बहुत से लोग घरों से खाना बनाकर ले गये थे। उद्यानों में बच्चों ने झूलों का आनंद उठाया। सरकारी दफ्तरों में भी नये वर्ष का माहौल रहा। लोग एक-दूसरे को बधाईयां और शुभकामनाएं देते रहे। नाच-गाकर लोगों ने नये साल की खुशियां मनाईं। इस पाश्चात्य संस्कृति से दूर धार्मिक, आध्यात्मिक प्रवृत्ति के लोगों ने सुबह जल्दी उठकर स्नान ध्यान किया, वहीं बहुत सारे लोग नर्मदा तटों पर स्नान करने गये और हवन-पूजन दान आदि किया। नये वर्ष की पूर्व संध्या से शुरू हुई धूमधाम नये वर्ष के पहले दिन भी जारी रही। व्यापारियों ने अपने प्रतिष्ठान बंद रखे। सरकारी दफ्तरों से अधिकांश लोगों ने अवकाश ले रखा था। सब लोग पिकनिक मनाने के मूड में रहे। नये वर्ष पर सुबह से देर शाम तक पार्टियों का दौर चलता रहा और लोग एक-दूसरे को शुभकामनाएं व बधाईयां देते रहे।

ड्राईवरों की मांग पर ध्यान दे सरकार : कोष्टा

जबलपुर। कांग्रेस के पूर्व प्रवक्ता टीकाराम कोष्टा ने कहा हिट एंड रन कानून में व्यवारिक कठनाईयां हैं जिसपर केन्द्र सरकार को विचार करना चाहिये। कोष्टा केंद्र सरकार ने तीन कृषि काले कानून के बाद हिट एंड रन कानून के विरोध में गाड़ी चलाको, ड्राइवरों ने चक्का जाम कर हड़ताल पर बाध्य हुए। सरकार ने बिना सोचे समझे मोटर कानून में बदलाव करके चालक से एक्सीडेंट होने पर 10 साल की सजा और 5 लाख का जुर्माना का प्रावधान किया जाना गलत है। कोई भी ड्राइवर या गाड़ी चालक जानबूझकर एक्सीडेंट नहीं करता। जब गाड़ी का मालिक गाड़ी का इंश्योरेंस कराकर हर साल 25 से 30000 इसलिए चुकता है, कि रिस्क कवर हो गाड़ी का इंश्योरेंस है तो ड्राइवर से 5 लाख का जुर्माना लेने का प्रावधान क्यों किया गया। शासन प्रशासन से मांग है कि ड्राइवर की मांगों पर तत्काल ध्यान दें ।

संयुक्त प्रयास से लक्ष्य हासिल करेंगे

जबलपुर।

मध्यप्रदेश पावर जनरेटिंग कंपनी के प्रबंध संचालक मनजीत सिंह व पावर ट्रांसमिशन कंपनी के प्रबंध संचालक सुनील तिवारी ने विद्युत अभियंताओं व कार्मियों को नव वर्ष की बधाई व शुभकामनाएं देते हुए कहा कि सभी के उत्कृष्ट व संयुक्त प्रयास से विद्युत कंपनियों की प्रगति और उपभोक्ताओं को संतुष्ट करने के लक्ष्य हासिल किए जा सकेंगे। मनजीत सिंह व सुनील तिवारी आज एमपी पावर मैनेजमेंट कंपनी के मानव संसाधन व प्रशासन कार्यालय के संयोजन में शक्तिभवन के ब्लॉक नंबर 14.15 के समक्ष नववर्ष अभिनंदन

शक्तिभवन में नववर्ष अभिनंदन समारोह आयोजित

समारोह में विद्युत अभियंताओं व कार्मिकों को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर एमपी पावर मैनेजमेंट कंपनी के मुख्य महाप्रबंधक (मानव संसाधन व प्रशासन) राजीव गुप्ता सहित बड़ी संख्या में विद्युत अभियंता व कार्मिक उपस्थित थे। मनजीत सिंह ने कहा कि प्रदेश के सभी श्रेणी के बिजली उपभोक्ताओं को सतत व निर्बाध बिजली आपूर्ति करने के लिए विद्युत कंपनियां दृढ़ संकल्पित हैं। सुनील तिवारी ने कहा कि पिछले वर्ष की चुनौतियों को सफलतापूर्वक पूर्ण किया गया और आशा है कि प्रदेश के विद्युत क्षेत्र के अभियंता व कार्मिकों के सम्मिलित प्रयास से वर्ष 2024 के लक्ष्यों को निर्धारित समयावधि में गुणवत्तापूर्ण ढंग संपादित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि विद्युत अभियंता व कार्मिक प्रत्येक चुनौती का सामना करने व उन्हें निष्पादित करने में पूर्णतः सक्षम हैं। कार्यक्रम का संचालन व आभार प्रदर्शन पावर मैनेजमेंट कंपनी के जनसम्पर्प अधिकारी पंकज स्वामी ने किया।

भागवत कथा में हुआ कृष्ण जन्म

जबलपुर। महिला मंडल महावीर कंपाउंड सदर में चल रही भागवत कथा में साल के प्रथम दिन पर भगवान कृष्ण जन्म की लीला कथा वाचक सुश्री अंकिता पाण्डेय के मुख से बताई गई। जिसको सुन सब मंत्र मुग्ध हो गए और कृष्ण जन्म होते ही सब खुशी से झूम उठे। जिसके बाद माखन मिश्री का भोग लगाकर सभी को वितरित किया गया। सभी कृष्ण भक्ति में झूमते रहे। कथा का समापन 4 जनवरी को होगा।

जबलपुर पुलिस की नई पहल

जबलपुर। 1 जनवरी चिन्हित मार्गों पर व्यापक पुलिस व्यवस्था लगाकर हैल्मेट एवं सीट बैल्ट लगाकर वाहन चालने हेतु कडाई से पालन कराया गया।

श्रीमती विमला खरे- गंगामैया व्हीकल निवासी निवासी श्री डीपी खरे की धर्मपत्नी श्रीमती विमला खरे (78) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती चम्पी देवी गुप्ता- कैलाशपुरी गुप्तेश्वर निवासी श्री मोती लाल गुप्ता की धर्मपत्नी श्रीमती चम्पी देवी गुप्ता (83) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया।

श्रीमती मीरा बाई पासी- पटेल मोहल्ला रामपुर निवासी श्री मोती लाल पासी की धर्मपत्नी श्रीमती मीरा बाई पासी (74) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

सुश्री अभिनाश कौर सिद्धू- रतन नगर निवासी श्री बलवंत सिंह सिद्धू की पुत्री सुश्री अभिनाश कौर सिद्धू (77) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया।

श्रीमती ईला मुखर्जी- कांचघर हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी निवासी श्री गोपीनाथ मुखर्जी की धर्मपत्नी श्रीमती ईला मुखर्जी (64) का निधन हो गया। अंतिम

संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती तारा बाई चौधरी- छुई खदान मड़ैया श्यामा प्रसाद मुखर्जी वार्ड निवासी श्री महादेव चौधरी की धर्मपत्नी श्रीमती तारा बाई चौधरी (81) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री हरी नारायण सोनी- सुहागी पन्नी मोहल्ला निवासी श्री हरी नारायण सोनी (65) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री राम लाल रैकवार- खाई मोहल्ला खेरमाई वार्ड निवासी श्री राम लाल रैकवार (93) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री श्रीकांत खरे- दयानगर यादव कॉलोनी निवासी श्री श्रीकांत खरे (53) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री विजय कुमार विनोदिया- कटारिया होम्स पोलीपाथर निवासी श्री विजय कुमार विनोदिया (65) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

श्रीमती शांति बाई गुजराती- अधारताल निवासी श्री रमेश गुजराती की धर्मपत्नी श्रीमती शांति बाई गुजराती (75) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती श्यामा बाई चौधरी- बादशाह हलवाई मंदिर मोड़ गली नं. 3 पोलीपाथर निवासी श्री रघुनंदन चौधरी की धर्मपत्नी श्रीमती श्यामा बाई चौधरी (75) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

श्री हजारी लाल कोरी- गोरा बाजार केंट निवासी श्री हजारी लाल कोरी (82) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री सुरेश श्रीवास- दुर्गा नगर ग्वारीघाट रेलवे स्टेशन के पास निवासी श्री सुरेश श्रीवास (80) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

हरिभूमि निजी/शोक/उठावन, पगड़ी रस्म, पुण्यतिथि संबंधी संदेश प्रकाशित कराने के लिए
अन्य साइज 40/- प्रति स्क्वायर से.मी.
फिक्स साइज:- 8X4 से.मी. ब्लैक&व्हाईट 300/-
फिक्स साइज:- 8X4 से.मी. रंगीन 400/-
फिक्स साइज 10X8 से.मी. रंगीन 1000/-
सम्पर्क करें विज्ञापन विभाग:-0761-4048310, 2757175

पेट दर्द से परेशान युवक ने फांसी लगाई

जबलपुर। गोसलपुर थाना अतंर्गत रिठौरी में पेट दर्द से परेशान एक युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामला जांच में लिया है। गोसलपुर पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार रिठौरी निवासी 35 वर्षीय जगदीश कोल गत रात लगभग 8 बजे खाना खाकर रात लगभग 10 बजे कमरे में सोने चला गया था। सोमवार की सुबह लगभग 4 बजे उसकी भाभी ने देखा कि जगदीश कोल ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। जगदीश के बड़े भाई हीरालाल कोल ने बताया कि जगदीश शराब का सेवन करता था जिससे उसका लीवर कमजोर हो गया था और उसके पेट में बहुत दिनों से दर्द भी था जिस कारण उसने आत्महत्या कर ली। पुलिस ने पंचनामा कार्रवाई कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाते हुए मर्ग कायम कर मामला जांच में लिया है।

पुलिस अधीक्षक को मिला सेलेक्शन ग्रेड

जबलपुर। मध्यप्रदेश शासन गृह विभाग द्वारा 1 जनवरी 24 को 13 वर्ष की अर्हकारी सेवा पूर्ण करने के फलस्वरूप पुलिस अधीक्षक जबलपुर आदित्य प्रताप सिंह को भारतीय पुलिस सेवा के प्रवर श्रेणी वेतनमान मैट्रिक्स में प्राधिकृत किए जाने संबंधी आदेश जारी किए जाने पर अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक उमेश जोगा एवं पुलिस उप महानिरीक्षक जबलपुर रेंज आर.आर. सिंह परिह ने आदित्य प्रताप सिंह के दोनों कंधों पर दूसरा स्टार एवं कॉलर डाज लगाकर शुभकामनाएं एवं बधाई दी।

रस्ट डेस्क डाउनलोड करते ही खाते से निकले डेढ़ लाख

जबलपुर। कोतवाली थाना अतंर्गत कोतवाली बाजार में एक युवक के खाते से अज्ञात आरोपी ने धोखाधड़ी कर पांच बार में 1 लाख 45 हजार रुपए निकाल लिए। पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज कर जांच में लिया है। कोतवाली पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार कोतवाली बाजार निवासी 47 वर्षीय अनुराग अग्रवाल ने कोतवाली थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई कि उसका पेटीएम खराब हो गया था, तो उसने गूगल सर्च से पेटीएम कस्टमर केयर का नंबर देखकर कॉल लगाया, जिसने उसे रस्टडेस्क डाउनलोड करने को कहा, डाउनलोड करने के बाद अज्ञात आरोपी ने अनुराग को बातों में उलझाकर उसके मिलौनीगंज स्थित एसबीआई बैंक खाते से 5 बार में 1 लाख 45 हजार रुपए धोखाधड़ी कर निकाल लिए।

CHANGE OF NAME

I, NISHU KUMARI W/O BHUWNESHWAR R/O VILL-BHANET HALDWARI, PO-BHAROG BANERI, TEH-PAONTA SAHIB, DIST-SIRMOUR (HIMACHAL PRADESH)-173022 I have changed of my name from **NISHU SHARMA** (name as per my SON **(NAYAN SHARMA) EDUCATIONAL RECORDS)** to **NISHU KUMARI** (name as per my AADHAR CARD, PAN CARD, EDUCATIONAL DOCUMENTS, AND MY OTHER DOCUMENTS RECORD) Affidavit dated **01/01/2024** by Public Notary RAMDAS SHARMA MP HIGH COURT (Name and place of Court).
CORRECT NAME- NISHU KUMARI
INCORRECT NAME- NISHU SHARMA

घर से बाहर निकलकर बचाई जान

भूकंप और सुनामी से थर्राया जापान, लोगों ने आपदा का किया डटकर मुकाबला

एजेंसी ▶▶ टोक्यो

इशिकावा प्रान्त के नोटो क्षेत्र में समुद्र में 5 मीटर तक लहरें उठने का अनुमान है। लोगों को जल्द से जल्द ऊंचे स्थानों या पास की इमारत की ऊपरी मंजिलों पर चले जाने के लिए कहा गया। बिजली घरों के बंद होने के दावा किया गया है। निगाटा प्रान्त, टोयामा प्रान्त, यामागाटा प्रान्त, कागा इशिकावा प्रान्त, फुकुई प्रान्त और उत्तरी ह्योगो प्रान्त में जोएत्सु, चुएत्सु, काएत्सु और सादो के लिए सुनामी की चेतावनी जारी की गई है। भूकंप के झटके से सड़क पर दरारें पड़ गईं। कई लोगों के घर ढह गए। ट्रेन सेवाएं भी रोक दी गई हैं। परमाणु संयंत्र बंद होने से करीब 34000 घरों की बिजली गुल हो गई।

भूकंप से हालात

समंदर में उथल-पुथल, पत्तों की तरह हिली ट्रेनें, जमीन पर आई दरार

भारतीय दूतावास ने जारी किए इमरजेंसी नंबर, 34000 घरों की बिजली गुल

कितनी तीव्रता कितनी खतरनाक?

कोई भूकंप कितना खतरनाक है? इसे रिक्टर स्केल पर मापा जाता है। भूकंप में रिक्टर पैमाने का हर स्केल पिछले स्केल के मुकाबले 10 गुना ज्यादा खतरनाक होता है।

- 0 से 1.9 की तीव्रता वाले भूकंप का पता सिर्फ सीज्मोग्राफ से ही चलता है।
- 2 से 2.9 की तीव्रता का भूकंप आने पर हल्का कंपन होता है।
- 3 से 3.9 की तीव्रता का भूकंप आने पर ऐसा लगता है जैसे मानो बगल से कोई ट्रक गुजर गया हो।
- 4 से 4.9 की तीव्रता के भूकंप में खिड़कियां टूट सकतीं हैं। दीवारों पर टंगे फ्रेम गिर सकते हैं।
- 5 से 5.9 की तीव्रता वाले भूकंप में घर का फर्नीचर हिल सकता है।
- 6 से 6.9 की तीव्रता वाला भूकंप इमारतों की नींव को दरका सकता है, ऊपरी मंजिलों को नुकसान पहुंच सकता है।

खतरनाक सुनामी की लहरें उठने की आशंका

जापान मौसम विज्ञान एजेंसी ने इशिकावा, निगाटा और टोयामा वहीं प्रान्त के पश्चिमी तटीय क्षेत्रों में सुनामी की चेतावनी जारी की है। 5 मीटर तक ऊंची सुनामी पहुंच गई है। अमेरिकी एजेंसी के मुताबिक भूकंप केंद्र के 300 किमी के दायरे में जापान तट पर खतरनाक सुनामी की लहरें उठने की संभावना है। इशिकावा प्रान्त में वाजिमा शहर के तट पर 1 मीटर से अधिक ऊंची लहरें उठीं।

रूस और उत्तर कोरिया में सुनामी की चेतावनी

रूस ने भी सुदूर पूर्व में स्थित सखालिन द्वीप के लिए सुनामी की चेतावनी जारी की है। प्रशांत सुनामी चेतावनी केंद्र ने उत्तर कोरिया और रूस के सुदूर पूर्व के लिए सुनामी की चेतावनी जारी की है।

3 घंटे में लगे 30 झटके, बिखरा सामान

वायरल वीडियो में देखा जा सकता है कि एक स्टोर में आलमारियों में रखे गए सामान कैसे भूकंप के कारण भरभरा कर गिरने लगे। वीडियो में भूकंप से घबराए लोग बचने और छिपने का प्रयास कर रहे हैं। स्थानीय लोग भय से घरों से बाहर निकल कर बैठे हैं। कई इलाकों में सड़कों में भी बड़ी दरारें आ चुकी हैं। पिछले 3 घंटों में मध्य जापान में 30 से अधिक भूकंप के झटके महसूस किए गए हैं, जिनकी तीव्रता 3.6 से 7.6 तक रही है।

सबसे खतरनाक भूकंप 2011 में

बता दें कि जापान, "रिंग ऑफ फायर" पर स्थित है, यह दुनिया के सबसे अधिक भूकंप प्रभावित देशों में से एक है। 11 मार्च, 2011 को जापान के उत्तरपूर्वी तट पर 9.0 तीव्रता का भूकंप आया, जिससे बड़े पैमाने पर सुनामी आई, 18,000 से अधिक लोग मारे गए। 1900 के बाद से दुनिया में तीसरा सबसे बड़ा भूकंप था।

खबर संक्षेप

हमास ने इजराइल पर 20 रॉकेट दागे

गाजा पट्टी। नए साल की पहली सुबह सोमवार को फिलिस्तीन के आतंकवादी संगठन हमास के

आतंकवादियों ने इजराइल पर करीब 20 रॉकेट दागे। हमास ने इस हमले की जिम्मेदारी ली। हमास ने कहा है कि उसकी अल-कसम ब्रिगेड जायोनी नरसंहार के जवाब में तेल अवीव शहर और उसके बाहरी इलाके में 'एम90' रॉकेटों से बमबारी कर रही है। इस संघर्ष की शुरुआत पिछले साल 7 अक्टूबर को हुई थी। हमास के सैकड़ों आतंकवादियों ने इजराइल में घुसकर नरसंहार करने के बाद 200 से अधिक लोगों को बंधक बना लिया था।

पाक में आधी रात को फायरिंग, 30 जख्मी

कराची। पाकिस्तान में नए साल के मौके पर कार्यक्रम में आधी रात को जबरदस्त हवाई फायरिंग की गई।

इससे 30 से ज्यादा लोग घायल हो गए हैं। कराची पुलिस ने फायरिंग के लिए जिम्मेदार 65 लोगों को गिरफ्तार किया है। घायल लोगों में महिलाएं और बच्चे भी शामिल है, उन्हें शहर के जिन्ना पोस्ट ग्रेजुएट मेडिकल सेंटर, डॉक्टर रूट सिविल हॉस्पिटल कराची और अब्बासी शहीद अस्पताल में ट्रीटमेंट के लिए भर्ती कराया गया। कराची शहर में फायरिंग फायरिंग के ज्यादातर मामले सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट से सामने आए हैं।

भारत सरकार ने की बड़ी कार्रवाई

गोल्डी बराड़ यूएपीए के तहत आतंकी घोषित

गोल्डी बराड़ प्रतिबंधित खालिस्तानी संगठन बब्बर खालसा इंटरनेशनल से जुड़ा है।

पंजाबी सिंगर मूसेवाला की हत्याकांड का मास्टरमाइंड भी बराड़ को बताया जाता है

भारत में कई बड़े अपराधों में रहा शामिल

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारत सरकार ने गोल्डी बराड़ को आतंकी घोषित कर दिया है। भारत सरकार ने यह

फैसला यूएपीए के तहत लिया है। गृह मंत्रालय की ओर से जारी नोटिस में कहा गया है कि गोल्डी बराड़ प्रतिबंधित खालिस्तानी संगठन बब्बर खालसा इंटरनेशनल से जुड़ा है। वह भारत में कई बड़े अपराधों में शामिल रहा है।

कनाडा में रहकर गोल्डी अपराध को कर रहा ऑपरेट

फिलहाल गोल्डी बराड़ कनाडा में हैं और वहीं से अपनी अपराध की दुनिया को ऑपरेट कर रहा है। पंजाबी सिंगर सिद्धू मूसेवाला की हत्याकांड का मास्टर माइंड भी गोल्डी बराड़ को बताया जाता है। पंजाबी सिंगर मूसेवाला की हत्या के बाद गोल्डी बराड़ ने इस हत्याकांड की जिम्मेदारी ली थी।

गोल्डी मोस्ट वॉन्टेड गैंग्स्टर्स में से एक

गोल्डी बराड़ पंजाब के मौजूदा मोस्ट वॉन्टेड गैंग्स्टर्स में से एक है और फिलहाल कनाडा में रह रहा है। माना जाता है कि वह कॉलेज का एक ड्रॉप आउट छात्र है, और पढ़ाई छोड़ने के बाद से ही अपराध की दुनिया में सक्रिय है। साल 2019 में गोल्डी बराड़ स्टूडेंट वीजा पर पढ़ाई करने के लिए कनाडा गया था। वह भारत के कई नेताओं को धमकी भरे कॉल करने, फिरौती मांगने और विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफार्मों पर हत्याओं के दावों को पोस्ट करने के लिए भी जाना जाता है।

राजस्थान में 15 जनवरी तक डेजर्ट साइक्लोन-2024 का आयोजन

आज से भारत और यूएई के बीच संयुक्त सैन्य अभ्यास

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारत और यूएई के बीच मंगलवार 2 जनवरी से 15 जनवरी 2024 तक संयुक्त सैन्य अभ्यास डेजर्ट साइक्लोन-2024 आयोजित किया जाएगा। यह सैन्य अभ्यास राजस्थान के जैसलमेर में होने जा रहा है। बता दें डेजर्ट साइक्लोन-2024 के तहत किए जाने वाले संयुक्त अभ्यासों का उद्देश्य शहरी अभियानों में श्रेष्ठ अभ्यासों को साझा और उन्हें सीखकर पारस्परिकता को बढ़ावा देना है। भारत और संयुक्त अरब अमीरात मित्रता के सशक्त संबंधों को साझा करते हैं। ये संबंध दोनों देशों के बीच के सदियों पुराने सांस्कृतिक, धार्मिक और आर्थिक आदान-प्रदान पर आधारित हैं। रक्षा मंत्रालय के अतिरिक्त जन सूचना महानिदेशालय (सेना) के सोशल मीडिया हैंडल पर इस संबंध में एक वीडियो शेयर करते हुए जानकारी दी गई है। ये वॉर एक्सरसाइज दोनों देशों के बीच काफी अहम मानी जा रही है, क्योंकि इस दौरान दोनों देशों की सेनाएं शहरी ऑपरेशंस में अपनी क्षमताएं बढ़ाने के लिए एक-दूसरे के सबसे बेहतर तरीके शेयर करेंगे और सीखेंगे।

खास बातें

- भारतीय नौसेना भी कर चुकी हैं संयुक्त युद्धाभ्यास
- श्रेष्ठ अभ्यासों को साझा और उन्हें सीखकर पारस्परिकता को बढ़ावा देना

डेजर्ट साइक्लोन-2024 के तहत किए जाने वाले संयुक्त अभ्यासों का उद्देश्य शहरी अभियानों में श्रेष्ठ अभ्यासों को साझा और उन्हें सीखकर पारस्परिकता को बढ़ावा देना है।

दोनों देशों के बीच सदियों पुराने सांस्कृतिक, धार्मिक और आर्थिक संबंध

भारतीय सेना ने वीडियो शेयर कर दी भूकंप की जानकारी

2008 में किया था पहला संयुक्त युद्धाभ्यास

भारत और यूएई के बीच पहला संयुक्त एयर फोर्स अभ्यास सितंबर 2008 में अबुधाबी के अल-धफरा बेस पर आयोजित हुआ था। इसके साथ ही अबुधाबी में होने वाली द्वि-वर्षीय इंटरनेशनल डिफेंस ऐग्जीबिशन में भारत हिस्सा लेता आ रहा है। दरअसल, बीते कुछ सालों में भारत और यूएई के बीच द्विपक्षीय रक्षा सहयोग खासा मजबूत हुआ है। रेग्युलर एक्सचेंज प्रोग्राम के अलावा डिफेंस ट्रेनिंग और डिफेंस इन्वेंटरी की सप्लाई के मामले में दोनों देशों के संबंध काफी बेहतर हुए हैं।

1972 में राजनयिक संबंध

दोनों देशों के बीच डिप्लोमैटिक संबंधों की शुरुआत साल 1972 में हुई थी। यूएई ने 1972 में दिल्ली में अपना दूतावास शुरू किया था। वहीं, भारत ने अबुधाबी में साल 1973 में अपना दूतावास खोला था। द्विपक्षीय संबंधों के साथ-साथ दोनों देशों के बीच रक्षा संबंध भी बीते दिनों में काफी मजबूत हुए हैं। इसे देखते हुए इस अभ्यास को काफी अहम माना जा रहा है।

बीते वर्ष भी दोनों देशों का संयुक्त युद्धाभ्यास आईएनएस त्रिखंड ने लिया हिस्सा

इस अभ्यास का उद्देश्य शहरी परिचालन में बेस्ट प्रैक्टिस और साझा करके अंतरसंचालनीयता (इंटरऑपरेशनबिलिटी) को बढ़ाना है। उल्लेखनीय है कि इससे पूर्व बीते वर्ष अगस्त में दोनों देशों की नौसेना एक संयुक्त युद्धाभ्यास कर चुकी है। इस युद्धाभ्यास में भारतीय नौसेना के आईएनएस विशाखापत्तनम और आईएनएस त्रिखंड ने हिस्सा लिया था।

इजराइल-हमास युद्ध को देखते हुए महत्वपूर्ण अभ्यास

सूत्रों ने बताया कि हाल ही में इजराइल-हमास युद्ध को देखते हुए इस युद्धाभ्यास को काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। शहर में अगर दुश्मन घुस आए तो उससे किस तरह से निपटा जाए। आतंकी कहीं छिपे हैं तो उनसे किस तरह तकनीक का सहारा लेकर उनको खत्म किया जाए। आसमान से ही घरों में छिपे दुश्मन को नेस्तनाबूद करना, रणनीति व सिद्धांतों पर जानकारी साझा करना आदि कई तरह के शहरी ऑपरेशन इस दौरान किए जाएंगे। ताकि यदि दोनों में देशों में इस तरह कि सिचुएशन हो तो उससे किस तरह से निपटा जाए आदि पर दोनों सेनाएं अपना अपना युद्ध कौशल साझा करेंगी।

श्रम कानून का उल्लंघन करने पर कोर्ट ने सुनाई सजा

बांग्लादेश में नोबेल पुरस्कार विजेता यूनुस दोषी करार

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

बांग्लादेशी नोबेल शांति पुरस्कार विजेता मुहम्मद यूनुस को सोमवार को देश के श्रम कानून का उल्लंघन करने का दोषी ठहराया गया है। प्रासीक्यूटर खुर्शीद आलम खान ने कहा कि प्रोफेसर यूनुस और उनके तीन ग्रामीण टेलीकॉम सहयोगियों को श्रम कानूनों के तहत दोषी ठहराया गया है और 6 महीने के कारावास की सजा सुनाई गई। उन्होंने कहा कि अपील लंबित रहने तक चारों को तुरंत जमानत दे दी गई है। इस मामले को राजनीति से प्रेरित बताकर प्रचारित किया गया है।

लाखों लोगों की मदद, पीएम से रिश्ते अच्छे नहीं

83 साल के मोहम्मद यूनुस को अपने माइक्रोफाइनेंस बैंक के साथ लाखों लोगों को गरीबी से बाहर निकालने का क्रेडिट दिया जाता है, लेकिन

प्रधान मंत्री शेख हसीना के साथ उनके रिश्ते अच्छे नहीं रहे हैं। शेख हसीना उनके ऊपर 'गरीबों का खून चूसने' का आरोप लगाती रही हैं। शेख हसीना ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित 2006 के नोबेल शांति पुरस्कार विजेता के खिलाफ कई तीखे हमले किए हैं। अर्थशास्त्री यूनुस और उनके द्वारा स्थापित कंपनियों में से एक ग्रामीण टेलीकॉम के तीन सहयोगियों पर श्रम कानूनों का उल्लंघन करने का आरोप है, हालांकि वह इससे इनकार करते रहे हैं। मोहम्मद यूनुस के लिए बराक ओबामा सहित कई नोबल विजेता ने समर्थन जताया है। जब मोहम्मद यूनुस सितंबर में सुनवाई के लिए गए तो एमनेस्टी इंटरनेशनल ने सरकार पर श्रम कानूनों को हथियार बनाने का आरोप लगाया था।

जयशंकर जाएंगे नेपाल, पीएम प्रचंड का ऐलान

भारत और नेपाल करेंगे एक दीर्घकालिक बिजली समझौता

एजेंसी ▶▶ काठमांडू

प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहल 'प्रचंड' ने कहा कि इसी सप्ताह होने वाली भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर की यात्रा के

दौरान भारत और नेपाल एक दीर्घकालिक बिजली समझौते पर हस्ताक्षर करेंगे।

प्रचंड की भारत यात्रा के दौरान बनी थी सहमति

नेपाली प्रधानमंत्री प्रचंड की भारत यात्रा के दौरान लंबी अवधि के लिए बिजली समझौता हुआ था। इस समझौते के तहत भारत नेपाल से अगले 10 साल में 10 हजार मेगावाट बिजली खरीदने के लिए सहमत हुआ है। प्रचंड का कहना है कि नेपाल पनबिजली सेक्टर में बड़ा बदलाव ला रहा है। नेपाल इस समय भारत को 450 मेगावाट बिजली का निर्यात कर रहा है।

यूक्रेन का दावा: हमने 87 को मार गिराया

तड़के सुबह रूस ने यूक्रेन पर बरसाए 90 ड्रोन

एजेंसी ▶▶ कीव

रूस के सीमावर्ती शहर बेलगोरोड में 21 लोगों के शनिवार को मारे जाने के बाद नए वर्ष के पहले दिन रूस ने यूक्रेन पर 90 ड्रोन से हमला बोला। हालांकि, यूक्रेन की वायुसेना की ओर से कहा गया है कि इनमें से 87 को मार गिराया गया। मॉस्को और कीव के बीच तेज होते संघर्ष के बीच पहले दिन हमले में यूक्रेन के दक्षिणी ओडेशा क्षेत्र और रूसी कब्जे वाले दोनेत्सक के पूर्वी क्षेत्र में पांच लोगों की मौत हो गई है। दोनेत्सक क्षेत्र में डेनिश पुसिलिन ने यूक्रेन पर भारी गोलाबारी का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि यूक्रेन की ओर से कई राकेट दागे गए।

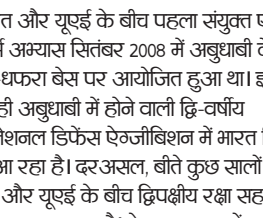

रूसी हवाई हमले में एक की मौत

वहीं, दूसरी ओर यूक्रेन में ओडेशा क्षेत्र के गवर्नर ओलेह कीपर ने कहा कि रूसी हवाई हमले में एक शख्स मारा गया है। कीपर ने कहा कि ड्रोन हमले को वायु रक्षा प्रणाली ने नाकामयाब कर दिया लेकिन गिरते हुए ड्रोन के मलवे से होने वाली फायरग की वजह से कई मकानों को क्षति पहुंची है। इसमें कम से कम तीन लोगों के घायल होने की सूचना है। ओडेशा के मेयर की ओर से इंटरनेट मीडिया पर इसे लेकर एक वीडियो पोस्ट किया गया है। इसमें वह एक क्षतिग्रस्त इमारत का जायजा लेते नजर आ रहे हैं। यूक्रेन कहा कि रूसी हवाई हमले में मायकोलाइव और डीनिप्रो क्षेत्र को भी निशाना बनाया गया है।

स्थानीय लोगों संग ली चाय की चुस्की, डांस कर उठाया लुत्फ

सेना के जवानों का एलओसी से सटे गांवों में न्यू ईयर सेलिब्रेशन

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

नए साल की पूर्व संध्या पर लोग जश्न में डूबे रहे। 31 दिसंबर की आधी रात से नए साल की शुरुआत होने के साथ इसकी धूम पाकिस्तान बॉर्डर से लगी नियंत्रण रेखा पर भी देखी गई। भारतीय सेना के जवानों ने स्थानीय लोगों के साथ मिलकर

एलओसी से सटे गांवों में उत्सव मनाया। देर रात नियंत्रण रेखा पोस्ट की सुरक्षा और गश्त पर लौटने से पहले जवानों ने स्थानीय लोगों के साथ गर्म चाय की चुस्की ली। साथ ही भोजन और डांस किया। सभी लोगों को नववर्ष की शुभकामनाएं भी दीं। जम्मू-कश्मीर के उरी सेक्टर में एलओसी के पास बसे चुरुंडा गांव में रविवार को कड़ाके की ठंड के दौरान करीब 4 बजे न्यू ईयर सेलिब्रेशन की शुरुआत हुई। सेना और ग्रामीणों ने एक-दूसरे को आश्वस्त किया कि वे सुख-दुख में एक साथ हैं।

घर से दूर रहने वाले सैनिकों को मिलता है जश्न का मौका

गांव के सरपंच लाल दीन खटाना ने कहा कि इस तरह के आयोजनों से समस्याओं को दूर करने और आनंद लेने में मदद मिलती है. हम नियंत्रण रेखा पर जीरो प्वाइंट पर सेना के साथ मिलकर नए साल का जश्न मनाते हैं। यह बहुत अच्छा कार्यक्रम है और हम कामना करते हैं कि यह परंपरा भविष्य में भी बरकरार रहे। घर से दूर रहने वाले सैनिकों को जश्न मनाने का मौका मिलता है।

समस्या होने पर मदद के लिए आती है सेना

स्थानीय सामाजिक कार्यकर्ता लाल हसन कोहली ने कहा कि जरूरत के समय में नागरिक सैनिकों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़े हुए हैं। नए साल का जश्न कार्यक्रम सेना की ओर से ही आयोजित किया गया था। मैं इसके लिए सेना को बधाई देता हूं और धन्यवाद देता हूं।

सेना की वजह से प्रवेश नहीं कर पाता दुश्मन

सामाजिक कार्यकर्ता कोहली ने कहा कि दुश्मन को हमारे क्षेत्र में प्रवेश नहीं करने देने के लिए स्थानीय लोग सेना के आभारी हैं। हम सभी महत्वपूर्ण दिन सेना के साथ मनाते हैं। गणतंत्र दिवस नजदीक है और फिर अगस्त में हमारा स्वतंत्रता दिवस है। सैनिक गांव में होने वाली शादी समारोह में भी शिरकत करते हैं। हम भाइयों की तरह रहते हैं।

मोहम्मद मुइज्जू बुरे फंसे

परंपरा से हटकर... भारत से पहले चीन जाने की तैयारी में मालदीव के राष्ट्रपति

एजेंसी ▶▶ माले

मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू पहले भारत दौरे की सालों पुरानी परंपरा तोड़ने की तैयारी में हैं। कुछ रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि मालदीव के नए राष्ट्रपति जल्द ही चीन का दौरा कर सकते हैं। हालांकि, इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हो पाई है। लेकिन अगर मोहम्मद मुइज्जू अगर ये चीन दौरा करते हैं तो यह पहली बार होगा जब मालदीव का लोकतांत्रिक रूप से निर्वाचित राष्ट्रपति भारत से पहले चीन का दौरा करेंगे। साल 2008 से ही मालदीव का सभी राष्ट्रपति पहले भारत आते रहे हैं। इनमें भारत के विरोधी माने जाने वाले नेता मोहम्मद वाहिद और अब्दुल्ला यामीन का नाम भी शामिल है।

जापान में 90 मिनट में भूकंप के 21 झटके

पहले भीषण भूकंप की रिक्टर स्केल पर तीव्रता 7.6 मापी गई, वहीं इसके बाद एक और तेज़ भूकंप आया, जिसकी तीव्रता 5.0 थी

अंधेरे में डूबे 34 हजार घर, 51 हजार लोगों ने घर छोड़ा,अब सुनामी का खतरा

भूकंप के बाद वहां समुद्र में ऊंची-ऊंची लहरें भी उठती दिखी। इसके साथ ही प्रशांत सुनामी चेतावनी केंद्र ने उत्तर कोरिया और रूस के सुदूर पूर्व के लिए सुनामी की चेतावनी जारी की। जापान में 7 से ज्यादा तीव्रता का भूकंप आने पर देश में सुनामी जारी की जाती है।

एजेंसी ⏭ टोक्यो

जापान में सोमवार शाम को 90 मिनट के अंदर रिक्टर स्केल पर 4.0 या उससे अधिक तीव्रता वाले भूकंप के 21 झटके महसूस किए गए। पहले भीषण भूकंप की रिक्टर स्केल पर तीव्रता 7.6 मापी गई, वहीं इसके बाद एक और तेज भूकंप आया, जिसकी तीव्रता 5.0 थी। समुद्र में ऊंची लहरें उठने के बाद देश के उत्तर-पश्चिमी तटीय इलाके में सुनामी की चेतावनी जारी कर दी गई है और लोगों को यहां से बाहर निकाला जा रहा है।

पीएम किशिदा ने कहा- सुनामी की आशंका वाले इलाकों से लोग बाहर निकलें

सुनामी रि-कॉल

11 मार्च, 2011 को जापान के उत्तर-पूर्वी हिस्से में एक बड़ा भूकंप और सुनामी आई थी। इस त्रासदी में लगभग 20,000 लोग मारे गए थे।

दक्षिण कोरिया के मौसम विज्ञान ने सोमवार को कहा कि जापान में आए भूकंप के बाद पूर्वी तट पर गैंगवोन प्रांत के कुछ हिस्सों में समुद्र का जल स्तर बढ़ सकता है। जापान के प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा ने कहा कि अधिकारी भूकंप से हुए नुकसान आकलन कर रहे हैं। नागरिकों को भूकंप के और संभावित झटकों के लिए तैयार रहने की जरूरत है। पीएम किशिदा ने कहा कि मैं उन क्षेत्रों के लोगों से आग्रह करता हूं जहां सुनामी आने की आशंका है, वे जल्द से जल्द इलाके से बाहर चले जाएं।

फुकुई प्रांत में कंसाई इलेक्ट्रिक पावर के ओही और ताकाहामा न्यूक्लियर पावर प्लांट के पांच एक्टिव रिएक्टर फिलहाल बंद किए गए

भारतीय दूतावास ने जारी किए इमरजेंसी नंबर

जापान में भारतीय दूतावास ने भारतीय नागरिकों के लिए इमरजेंसी नंबर जारी किए हैं। दूतावास की तरफ से दी गई जानकारी के अनुसार एंबेसी ने भूकंप के बाद एक कंट्रोल रूम बनाया है। जापान में मौजूद भारतीय नागरिक नीचे दिए गए नंबरों के जरिए दूतावास से संपर्क कर सकते हैं। +81-80-3930-1715 (याकूब टोपनो) +81-70-1492-0049 (अजय सेठी) +81-80-3214-4734 (डी.एन. बरनवाल) +81-80-6229-5382 (एस. भट्टाचार्य) +81-80-3214-4722 (विवेक राठी)

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

जीएसटी कलेक्शन 1.65 लाख करोड़ रुपए

नई दिल्ली। दिसंबर के जीएसटी क्लेक्शन की आंकड़े सरकार ने जारी कर दिए हैं। वित्त मंत्रालय की रिपोर्ट के अनुसार दिसंबर में जीएसटी कलेक्शन 1.65 लाख करोड़ रुपए रहा है। सालाना आधार पर जीएसटी कलेक्शन में 10.28 प्रतिशत का इजाफा देखने को मिला है। दिसंबर 2022 में सरकारी खजाने में जीएसटी के जरिए 1.50 लाख करोड़ रुपए आया था। जीएसटी कलेक्शन दिसंबर के महीने में अपने सबसे कम रहा।

वॉट्सएप : फोन नंबर की जगह यूजरनेम

नई दिल्ली। वॉट्सएप मैसेजिंग ऐप की पॉपुलैरिटी किसी से छिपी नहीं है। सिंपल से यूजर इंटरफेस में ढेरों फीचर्स हैं। साल 2023 में इस प्लेटफॉर्म पर कई नए फीचर्स को शामिल किया जा चुका है, जिसमें मैसेज एडिट से लेकर एसडी वीडियो तक भेजने का ऑप्शन तक शामिल है। फोन नंबर की जगह सिर्फ यूजरनेम दिखाई देगा। इसकी मदद से यूजर्स अपनी पसंद का हैंडल चुन सकेंगे, यह एक्स के हैंडल की तरह होगा।

भैरूंदा में स्कॉर्पियो पलटी, दो की मौके

सीहोर। सोमवार तड़के जिले के भेरूंदा क्षेत्र में स्कॉर्पियो गाड़ी अचानक पलट गई। इस हादसे में दो लोगों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। हादसा इतना भयानक थी कि गाड़ी पलटने के बाद लगभग 200 मीटर तक सड़क पर घिसटती गई। हादसा इतना भयानक था कि चार पहिया वाहन पूरी तरह क्षत-विक्षत हो गया ओर वाहन में बैठे दो लोगों की मौके पर मौत हो गई, वहीं तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए।

श्रद्धा का सैलाब : 16 लाख श्रद्धालुओं के पहुंचने का अनुमान, वीआईपी दर्शन बंद

उज्जैन और काशी में10 लाख से ज्यादा लोगों ने किए 'दर्शन'

नव वर्ष के पहले दिन सोमवार सुबह 4 बजे महाकाल मंदिर के कपाट खोले गए। सुबह 4 से 6 बजे तक लगभग 45 हजार श्रद्धालुओं ने चलित भस्म आरती और बाबा के दिव्य दर्शन किए।

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल/वाराणसी

नए साल के पहले दिन उज्जैन में भगवान महाकाल के दर्शन के लिए रिकॉर्ड संख्या में श्रद्धालु पहुंचे। महाकालेश्वर मंदिर प्रशासन के मुताबिक सोमवार रात 10 बजे तक 8 लाख से ज्यादा श्रद्धालु दर्शन कर चुके थे। इससे पहले 2016 में सिंहस्थ के शाही स्नान के पहले दिन उज्जैन में 6 लाख श्रद्धालु आए थे। नव वर्ष के पहले दिन सोमवार सुबह 4 बजे मंदिर के कपाट खोले गए।

सुबह 4 से 6 बजे तक लगभग 45 हजार श्रद्धालुओं ने चलित भस्म आरती और बाबा के दिव्य दर्शन किए। लोगों ने महाकालेश्वर का आशीर्वाद लेकर नए साल की शुरुआत की और सफलता, सुख शांति की प्रार्थना की। श्रीकाशी विश्वनाथ मंदिर के चारों ओर भक्तों की 2-2 किलोमीटर लंबी-लंबी कतारें लगी रहीं। यह स्थिति 30 दिसंबर की शाम से ही बनी थी। लोगों की भीड़ को देखते हुए मंदिर कॉरिडोर में चारों ओर से प्रवेश दिया जा रहा है।

श्री काशी विश्वनाथ मंदिर के चारों ओर 2 किमी लंबी कतारें लगी रहीं

उज्जैन में सिंहस्थ से ज्यादा भीड़... रात 10 बजे तक 8 लाख से ज्यादा श्रद्धालुओं ने दर्शन किए

दो दिन में 12 लाख श्रद्धालु करेंगे महाकाल के दर्शन

उज्जैन में होटल, होम स्टे, धर्मशाला, टैक्सी की बुकिंग फुल हो चुकी है। मंदिर समिति का दावा है कि 40 मिनट में भक्तों को दर्शन कराए जा रहे हैं। इस बार श्रद्धालु महाकाल दर्शन के बाद सीधे महाकाल लोक जा रहे हैं। पहले श्रद्धालुओं को लंबा चक्कर लगाकर मेन गेट से महाकाल लोक आना पड़ता था। हालांकि, सोमवार को शीघ्र दर्शन सुविधा बंद रही। मंदिर समिति का दावा है कि दो दिन में महाकाल लोक में 12 लाख लोगों के पहुंचने की उम्मीद है। प्रशासन ने क्राउड मैनेजमेंट को लेकर तैयारी की है।

काशी विश्वनाथ मंदिर में न्यू ईयर पर सावन वाली व्यवस्था

विश्वनाथ मंदिर मंदिर प्रशासन के अनुसार न्यू ईयर पर सावन वाली व्यवस्था लागू की गई है। मंदिर में बाबा विश्वनाथ का प्रोटोकॉल, टिकट और वीआईपी दर्शन बंद कर दिया गया है। प्रोटोकॉल और रुद्राभिषेक पर भी रोक लगा दी गई है। आम भक्तों को ही दर्शन दिया जा रहा है। काशी विश्वनाथ कॉरिडोर का लोकार्पण होने के बाद कुल 13 करोड़ शिवभक्तों ने दर्शन-पूजन किया है। इससे पहले 2 साल में 2 करोड़ से ज्यादा भक्त नहीं होते थे। 13 दिसंबर, 2021 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा कॉरिडोर का लोकार्पण करने के बाद श्रद्धालुओं की भीड़ 10 गुना ज्यादा हो गई।

108 स्थानों पर हुआ आयोजन

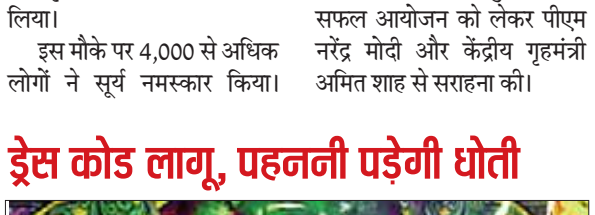

गिनीज बुक में दर्ज हो गया गुजरात का सूर्य नमस्कार

» पीएम नरेंद्र मोदी और अमित शाह ने की सराहना

एजेंसी ⏭ अहमदाबाद

नए साल पर गुजरात ने गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में अपना नाम दर्ज करा लिया है। गुजरात के मोढेरा सूर्य मंदिर में सुबह के अवसर पर सूर्य नमस्कार कार्यक्रम हुआ, जिसमें मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल और गृह मंत्री हर्ष संघवी ने भी भाग लिया।

इस मौके पर 4,000 से अधिक लोगों ने सूर्य नमस्कार किया। सबसे दिलचस्प बात ये है कि नए साल के सूर्योदय के साथ ही राज्य ने गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड अपने नाम दर्ज करा लिया है। यह कार्यक्रम मोढेरा में स्थित सूर्य मंदिर में सोमवार सुबह हुआ। लोगों ने इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में भाग लिया। इस मौके पर गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स के निरीक्षक स्वप्निल डांगरीकर भी पहुंचे थे। यहां वह सूर्य नमस्कार करने वाले सबसे अधिक लोगों के रिकॉर्ड को सत्यापित करने के पहुंचे थे। इस सफल आयोजन को लेकर पीएम नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह से सराहना की।

ड्रेस कोड लागू, पहननी पड़ेगी धोती

स्कर्ट-स्लीवलेस-टॉर्न जींस में जगन्नाथ मंदिर में नो 'एंट्री'

एजेंसी ⏭ ओडिशा

नए साल की शुरुआत के साथ श्री जगन्नाथ मंदिर के कपाट खुल गए हैं। मंदिर प्रशासन की ओर से प्रवेश के इच्छुक श्रद्धालुओं के लिए सोमवार से ड्रेस कोड भी अनिवार्य कर दिया है। नए आदेशों के मुताब कि अब 12वीं सदी के इस मंदिर के परिसर में गुटखा और पान खाने से लेकर प्लास्टिक और पॉलिथीन के उपयोग पर भी पूरी तरह से प्रतिबंध लगा दिया गया है। भक्तों को मंदिर में प्रवेश करने के लिए सभ्य कपड़े पहनने होंगे।

■ ड्रेस कोड के उल्लंघन पर जुर्माना लगेगा

धोती और तौलिया पहन दर्शन करने पहुंचे पुरुष भक्त

नियम लागू होने के साथ ही 2024 के पहले दिन मंदिर में भगवान के दर्शनार्थ आने वाले पुरुष भक्तों को धोती और तौलिया पहने देखा गया और महिलाएं साड़ी या सलवार कमीज पहने हुए थीं। पहले द नि ही भगवान के दर्शनों के लिए बड़ी संख्या में भक्तों की भीड़ को उमड़ते देखा गया।

अयोध्या के फैसले को लेकर सीजेआई बोले

संघर्ष लंबे इतिहास को देखते हुए फैसले पर एक राय बनी

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा है कि अयोध्या केस का फैसला जजों ने सर्वसम्मति से लिया था। उन्होंने कहा- अयोध्या में संघर्ष के लंबे इतिहास और विविध पहलुओं को ध्यान में रखते हुए ही इस केस से जुड़े सभी जजों ने फैसले पर एक राय बनाई।

नवंबर 2019 में अयोध्या रामजन्मभूमि केस में फैसला लिखने वाले जज का नाम सामने नहीं आया था। सीजेआई ने इसी पर कहा कि फैसले से पहले जजों ने आपस में बैठकर यह तय किया था कि ये अदालत का फैसला होगा, किसी जज विशेष का नहीं। सीजेआई ने एक इंटरव्यू में सेम सेक्स मैरिज पर दिए फैसले को लेकर भी बात की। सीजेआई ने बताया कि फैसले के बाद जो भी नतीजे आए, उन पर कोई पछतावा नहीं है। वे उस फैसले की खूबियों पर टिप्पणी नहीं करेंगे, जिसमें समलैंगिक विवाह को कानूनी दर्जा देने से इनकार कर दिया गया था। चंद्रचूड ने कहा ज्यूडीशियरी पर भरोसा बढ़े, इसलिए कई बदलाव किए गए। हमने पिछले साल कुछ नए इनीशिएटिव लिए हैं।

इसरो ने रच दिया इतिहास

ब्लैक होल का अध्ययन करने के लिए भेजा गया सैटेलाइट

नई दिल्ली। इसरो ने नए साल पर नया इतिहास रच दिया है। सोमवार को भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने साल के अपने पहले अंतरिक्ष मिशन में एक्स-रे पोलारिमीटर सैटेलाइट को लॉन्च कर दिया है।

पांच वर्ष का जीवनकाल

इस मिशन का जीवनकाल करीब पांच वर्ष का होगा। ध्रुवीय उपग्रह प्रक्षेपण यान अपने 60वें अभियान पर प्रमुख पेलोड को लेकर पृथ्वी की निचली कक्षाओं में स्थापित किया।

इस मिशन के माध्यम से अमेरिका के बाद भारत ब्लैक होल और न्यूट्रॉन सितारों का अध्ययन करने के लिए एक विशेष सैटेलाइट भेजने वाला दुनिया का दूसरा देश बन गया। यह मिशन करीब पांच साल का होने वाला है। इसरो के चंद्रयान-3 और आदित्य एल1 मिशन के बाद यह देश का अंतरिक्ष अन्वेषण की दिशा में एक नया ऐतिहासिक कदम होगा। केंद्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने एक्स पर लिखा-मिशन का सफल प्रक्षेपण। ऐसे समय में अंतरिक्ष विभाग के साथ जुड़ने पर गर्व है, जब टीम इसरो पीएम मोदी के संरक्षण से एक के बाद एक सफलता हासिल कर रही है।

जमीन विवाद से रिश्तों का कत्ल

महिला ने उज्जैन में पति और जेठ को गोली से उड़ा दिया

उज्जैन। महिला ने अपने पति और जेठ की गोली मारकर हत्या कर दी। इसके बाद देसी कट्टा हाथ में लेकर पैदल चलते हुए थाने पहुंची और सरेंडर कर दिया। घटना की वजह पारिवारिक विवाद मानी जा रही है। घटना सोमवार सुबह उज्जैन जिला मुख्यालय से करीब 30 किलोमीटर दूर इंगोरिया की है। जिस जगह ये घटना हुई वहां से इंगोरिया थाने की दूरी महज 200 मीटर है। पुलिस ने हर एंगल से जांच शुरू कर दी है।

आंगनबाड़ी में काम करती है

आरोपी सविता का पति राधेश्याम शराब पीने का आदी था। उसका अपने भाई धीरज से जमीन को लेकर विवाद चल रहा था। आरोपी सविता आंगनवाड़ी में काम करती है।

सोमवार की सुबह जेठ धीरज पूजा करने के लिए घर के आंगन में आया था। उसी समय आरोपी महिला सविता घर से निकली और जेठ धीरज पर दो गोलियां चलाईं। पहली गोली उसके सिर और दूसरी गोली उसके कंधे पर लगी। इसके बाद सविता घर के अंदर गई और सो रहे पति राधेश्याम की कनपटी पर गोली मार दी। फायरिंग की आवाज सुनकर धीरज की पत्नी और उसका बेटा बाहर आए तो सविता ने उन पर भी फायर किए।